This question paper contains **4** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **8103**

Unique Paper Code : **62134309** **GC**

Name of the Paper : **Sanskrit Drama**

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Sanskrit Discipline**

Semester : **III**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

Note : Unless otherwise required in a question, answer should be written in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिन्दी **या** अंग्रेज़ी किसी एक भाषा में दीजिए; परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Answer *all* questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. खण्ड 'अ' तथा खण्ड 'ब' प्रत्येक में से किन्हीं **दो-दो** पद्यों का अनुवाद कीजिए : 4+4+4+4=16

Translate any *two* from Part 'A' and Part 'B' each :

Part 'A'

(खण्ड 'अ')

(*i*) भूत्वा चिराय चतुरन्तमहीसपत्नी दौष्यन्तिमप्रतिरथं तनयं निवेश्य।
भर्त्रा तदर्पितकुटुम्बभरेण सार्धं शान्ते करिष्यसि पदं पुनराश्रमेऽस्मिन्॥

P.T.O.

(*ii*) एषापि प्रियेण विना गमयति रजनीं विषाददीर्घतराम्।

गुर्वपि विरहदु:खमाशाबन्ध: साहयति॥

(*iii*) विचिन्तयन्ती यमनन्यमानसा तपोधनं वेत्सि न मामुपस्थितम्।

स्मरिष्यति त्वां न स बोधितोऽपि सन् कथां प्रमत्त: प्रथमं कृतामिव॥

(*iv*) अस्मान् साधु विचिन्त्य संयमधनानुच्चै: कुलं चात्मन-

स्त्वय्यस्या: कथमप्यबान्धवकृतां स्नेहप्रवृत्तिं च ताम्।

सामान्यप्रतिपत्तिपूर्वकमियं दारेषु दृश्या त्वया

भाग्यायत्तमत: परं न खलु तद्वाच्यं वधूबन्धुभि:॥

Part 'B'

(खण्ड 'ब')

(*i*) मम मातुश्च मातुश्च मध्यस्था त्वां न शोभसे।

गङ्गायमुनयोर्मध्ये कुनदीव प्रवेशिता॥

(*ii*) शोकाद्वचनाद् राज्ञा हस्तेनैव विसर्जित:।

किमप्यभिमतं मन्ये मोहं च नृपतिर्गत:॥

(*iii*) समं वाष्पेण पतता तस्योपरि ममाप्यध:।

पितुर्मे क्लेदितौ पादौ ममापि क्लेदितं शिर:॥

(*iv*) आरब्धे पटहे स्थिते गुरुजने भद्रासने लङ्घिते

स्कन्धोच्चारणनम्यमानवदनप्रच्योतितोये घटे।

राज्ञाहूय विसर्जिते मयि जनो धैर्येण मे विस्मित:

स्व: पुत्र: कुरुते पितुर्यदि वच: कस्तत्र भो:! विस्मय:॥

2. खण्ड 'अ' तथा खण्ड 'ब' प्रत्येक में से किसी **एक-एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 7+7=14

Explain with reference to the context any *one* from Part 'A' and Part 'B' each :

Part 'A'

(खण्ड 'अ')

(*i*) न खलु धीमतां कश्चिदविषयो नाम।

(*ii*) अन्तर्हिते शशिनि सैव कुमुद्वती मे दृष्टिं न नन्दयति संस्मरणीयशोभा।
इष्टप्रवासजनितान्यबलाजनस्य दु:खानि नूनमतिमात्रसुदु:सहानि॥

Part 'B'

(खण्ड 'ब')

(*i*) छायां परिहृत्य शरीरं न लङ्घयामि।

(*ii*) काले <u>खल्वागता</u> देव्य: पुत्रे मोहमुपागते।
<u>हस्तस्पर्शो</u> हि मातृणामजलस्य जलांञ्जलि:॥

(*iii*) सर्वशोभनीयं सुरूपं नाम।

3. प्रश्न संख्या 1 के खण्ड 'अ' तथा खण्ड 'ब' के रेखांकित पदों में से किन्हीं **पाँच** पर व्याकरणात्मक टिप्पणियाँ लिखिए। 5

Write grammatical notes in any *five* of the underlined words in Q. No. 1 Part 'A' and Part 'B'.

4. दुर्वासा के शाप के महत्त्व को प्रतिपादित कीजिए। 8

Discuss the importance of Durvasa curse.

अथवा/*Or*

कालिदास की नाट्यकला की विवेचना कीजिए।

Discuss the Dramatic style of Kalidasa.

5. प्रतिमानाटकम् के आधार पर राम के चरित्र पर प्रकाश डालिए। 8

Throw light on the character of Rama according to Pratimanatakam.

अथवा/*Or*

भास के नाटकों की समीक्षा कीजिए।

Critically examine the dramas of Bhasa.

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 2×6=12

Write short notes on any *two* of the following :

(*i*) सूत्रधार

(*ii*) नान्दी

(*iii*) विष्कम्भक

(*iv*) नायक।

7. संस्कृत नाटक के उद्‌भव एवं विकास की विवेचना कीजिए। 12

Discuss the origin and development of Sanskrit Drama.

अथवा/*Or*

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

विशाखदत्त, अश्वघोष, कालिदास, शूद्रक।

Write short notes on any *three* of the following :

Vishakhdutt, Ashvaghosh, Kalidasa, Shudrak.